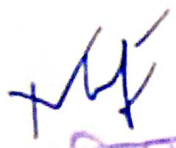


क्र. सं.

उपखण्ड अधिकारी एवं  
सहायक उपखण्ड अधिकारी

पत्रावली नं. १००/२०१८  
दिनांक २०/०५/२०१८

पत्रावली नं. १००/२०१८ वकील प्रार्थना उपलब्ध, विपक्षीय  
के सम्बन्ध जाद शामिल होकर रजिस्ट्रार एडी से प्राप्त हुए जिन  
को ध्यान में रखा गया है। विपक्षीय को दिवनी वार कक-कक  
पर धारा ६६ दिवानी जाने के बाद भी उपलब्ध नहीं होने  
किन्तु एक नरक, कार्यवाही किये जाने का आदेश दिया जाता  
है। जहाँ प्रार्थना का प्र-पत्र स्वीकार किया जाकर निर्णय  
प्राप्त से लिया जाकर शांति को किये गये। पत्रावली के सत  
दुकर होकर नम्बर से कम हो।

  
उपखण्ड अधिकारी  
मांडल जिला भीलवाड़ा



न्यायालय उपखण्ड अधिकारी माण्डल जिला भीलवाड़ा

सहायक अधिकारी - मनोज आर ए एस

दिनांक - 10/01/24 प्रा.पत्र

श्रीमती निरमा देवी पं० रामलाल खन्नाई निवासी - पीवखिया त० आसीन्द

बनाम

श्रीमती निरमा पं० रामलाल मेघवन्शी निवासी - सिडियास त० माण्डल [सिडियास]

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 111-128 रा.भू.रा.अधि. 1956

दिनांक - 06.06.24

आदेशः

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 111-128 रा.भू.रा.अधि. 1956 के तहत प्रस्तुत कर निर्देशन किया कि सिडियास तहसील माण्डल में उसके खाते / संयुक्त खाते की आराजी नं० 2034/1730 कुल किता 01 रकबा 0.6323 हेक्टर स्थित है। वादग्रस्त भूमि की सीमा के मध्य आराजी मुतवापिया के सीमा चिन्ह नहीं होने से आये दिन सीमा संबंधी विवाद उत्पन्न होता है। जिससे प्रार्थी अपने खाते / संयुक्त खाते की भूमि की पत्थरगढी के आदेश प्रदान कराये जावे।

प्रार्थना पत्र इस न्यायालय में दिनांक 08.05.24 को पंजीबद्ध किया जाकर प्रकरण की प्रगति से यह बात सिद्ध है कि वादग्रस्त भूमि प्रार्थी एवं कच्चे काश्त काश्त की होने से पत्थरगढी कएने का है। वैसे भी इस प्रकार के आदेश से अधिकारी निर्धारित किये जाते है। अतः इन तथ्यों को देखते हुए इसकी न्यायिक सिद्धान्त के आधार पर स्वीकार योग्य है।

आदेशः

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 111-128 रा.भू.रा.अधि. 1956 का स्वीकार किया जाकर प्रार्थी सिडियास तहसील माण्डल में उसके खाते / संयुक्त खाते की आराजी नं० 2034/1730 कुल किता 01 रकबा 0.6323 हेक्टर भूमि की चारों तरफ सीमा की पुख्ता जानकारी दिये जाने का आदेश दिया जाता है। पत्थरगढी किये जाने हेतु नू-अभिलेख निरीक्षण अमरापुरा 500 रुपये/- कमिश्नर फीस पर कमिश्नर फीस जमा होने पर पञ्चक्रान् की मौजूदगी में भौक व कच्चे काश्त को बनाये रखते हुए मुस्तकील विन्दु को आधार मानकर पत्थरगढी की जाये। फसल खड़ी होने पर भी नहीं की जावे।

उपखण्ड अधिकारी  
माण्डल जिला भीलवाड़ा

नि- तहसीलदार माण्डल को भेजकर लेख है कि प्रार्थी द्वारा राशि जमा कराने पर नियमानुसार पत्थरगढी की जाकर पालना रिपोर्ट 07 दिवस में प्रस्तुत करें।

उपखण्ड अधिकारी  
माण्डल जिला भीलवाड़ा